जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 301 प्रभात उदयपुर, मंगलवार 2 सितम्बर, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

विधानसभा के मानसून सत्र का पहला दिन हंगामे की भेंट चढ़ा

कांग्रेस द्वारा वोट चोरी के आरोप लगाने के बाद शुरू हुआ हंगामा

जयपुर, 1 सितंबर। राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र 2025 शुरू से ही राजनीतिक गर्मी और तीखे आरोप-प्रत्यारोप का अखाड़ा बन गया। सत्र के पहले ही दिन विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच जबरदस्त टकराव देखने को मिला। कांग्रेस विधायकों ने

- भाजपा विधायकों ने भी कांग्रेस की नारे बाजी का जमकर जवाब दिया। उन्होंने ''गाली बाज राहुल गांधी'' के नारे लगाये। स्पीकर देवनानी ने दोनों ही पक्षों के विधायकों को मर्यादित भाषा प्रयोग करने की सलाह दी।

सोमवार को राजस्थान विधानसभा के मानसून सत्र की शुरूआत हंगामे के साथ हई। कांग्रेस विधायकों ने सदन में ''वोट चोर, गद्दी छोड़'' के नारे लगाये और तख्तियां लहराईं। कांग्रेस के महासचिव सचिन पायलट ने सत्र के दौरान सरकार और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए।

सरकार पर ''वोट चोरी'' का आरोप लगाते हुए सदन में जमकर नारेबाजी की। ''वोट चोर, गद्दी छोड़'' जैसे नारों से सदन गूंज उठा और विधायकों ने तख्तियां लहराकर कार्यवाही को बाधित किया। इस व्यवहार पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सख्त नाराजगी जताई और सभी विधायकों को चेताया कि सदन की मर्यादा भंग न करें।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने सत्र के दौरान सरकार और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि हाल ही में संपन्न लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भाजपा ने बड़े पैमाने पर वोट चोरी की है और इसमें चुनाव आयोग की भी भूमिका रही है। जूली ने जयपुर ग्रामीण और अन्य क्षेत्रों में चुनावी गड़बड़ी के प्रमाण होने का दावा किया और कहा कि कांग्रेस ने इस पूरे मामले को देश के सामने उजागर किया है।

भाजपा विधायकों ने भी विपक्ष के इन आरोपों का तीखा जवाब दिया। उन्होंने सदन में ''गालीबाज राहुल गांधी'' के नारे लगाए, जिससे राजनीतिक तापमान और बढ़ गया। इस पर स्पीकर ने सत्तापक्ष के विधायकों को भी टोका और दोनों पक्षों को मर्यादित भाषा का प्रयोग करने की सलाह दी। स्पीकर की यह स्पष्ट मंशा थी कि सदन की कार्यवाही को शालीनता से चलाया जाए, लेकिन दोनों पक्षों की तल्खी के चलते बार-बार व्यवधान उत्पन्न होता रहा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिक्षक भर्ती पेपरलीक में बाबूलाल कटारा की जमानत अर्जी खारिज

जयपुर, 1 सितंबर। सीबीआई मामलों की विशेष अदालत क्रम-3 महानगर प्रथम ने शिक्षक भर्ती-2022 पेपर लीक मामले में उदयपुर के सुखेर थाने में दर्ज एफआईआर में आरपीएससी के सदस्य रहे बाबूलाल

- सीबीआई कोर्ट ने कहा कि आरोपी पर संवैधानिक पद पर रहते हुए एक ही प्रकार के अपराध की पुनरावृत्ति करने का गंभीर आरोप है, अतः जमानत पर रिहा नहीं किया जा सकता।

कटारा को राहत देने से इनकार कर दिया और उसकी जमानत अर्जी खारिज कर दी। पीठासीन अधिकारी खगेन्द्र कुमार शर्मा ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी पर संवैधानिक पद पर रहते हुए एक ही प्रकार के अपराध की पुनरावृत्ति करने का गंभीर आरोप है। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा नहीं किया जा सकता।

कटारा द्वारा जमानत अर्जी में कहा गया कि उसे प्रकरण में झूठा फंसाया गया है और वह लंबे समय से जेल में बंद है। जांच एजेंसी ने उसके खिलाफ जांच पूरी कर आरोप पत्र भी पेश कर दिया है। जमानत याचिका का विरोध

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी, शी व पुतिन की मुलाकात की गर्मजोशी देखकर अमेरिका ने अपना राग बदला

अमेरिका के दूतावास ने वॉशिंगटन के निर्देश पर एक्स पर मैसेज डाला कि, भारत व अमेरिका की मित्रता अच्छी तरह परिभाषित है, व पक्की है, तथा भविष्य में भी निर्बाध रुप से चलेगी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 सितम्बर। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में चीन के तियानजिन में जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की और गर्मजोशी से हाथ मिलाया, उसी समय अमेरिका ने एक सकारात्मक संकेत देते हुए कहा कि भारत और अमेरिका के बीच ''स्थायी मित्रता'' और निर्णायक संबंध'' कायम हैं।

सम्मेलन की तस्वीरों में प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रपति शी और राष्ट्रपति पुतिन को हाथ मिलाते, गले मिलते और अनौपचारिक पल साझा करते हुए देखा गया, ये त्सवीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इस बीच, वॉशिंगटन के निर्देश पर अमेरिकी दूतावास ने 'एक्स' पर एक संदेश साझा किया: ''इस महीने हम उन लोगों, प्रगति और संभावनाओं को उजागर कर रहे हैं जो हमें आगे बढ़ा रहे हैं। नवाचार और उद्यिमता से लेकर रक्षा और द्विपक्षीय संबंधों तक, यह हमारी जनता के बीच की स्थायी मित्रता है जो इस यात्रा को ऊर्जा देती है।

- यह टिप्पणी इसलिये भी महत्वपूर्ण है कि, ट्रंप द्वारा भारतीय माल पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद, दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है।
- भारत ने अमेरिका के कृषि उत्पादनों को भारत के विशाल कृषि मार्केट में प्रवेश देने से इन्कार कर दिया, क्योंकि प्रवेश देने से करोड़ों भारतीय किसानों की जीविका पर संकट आता है।

लगभग उसी समय, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रूबियो ने कहा कि भारत और अमेरिका की मित्रता सहयोग की आधारशिला है। उन्होंने आगे कहा कि यही मित्रता ''हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है, क्योंकि हम अपनी आर्थिक साझेदारी की अपार संभावनाओं को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।''

यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में तनाव बढ़ रहा है, विशेषकर राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए भारी टैरिफ के कारण।

अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा (सीबीपी) की अधिसूचना के बाद, ट्रंप प्रशासन द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ 27 अगस्त से प्रभावी हो गए हैं। ट्रंप का कहना है कि यह कार्रवाई भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद को लेकर की गई है, जो उनके अनुसार रूस की सैन्य कार्रवाइयों को परोक्ष रूप से समर्थन देती है।

ट्रंप, जो पहले भी भारत को टैरिफ किंग कह चुके हैं और व्यापार घाटे की ओर इशारा करते रहे हैं, ने यह टैरिफ इसलिए भी लगाए क्योंकि भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता ठप हो गई थी। भारत ने अमेरिकी कंपनियों को कृषि और डेयरी क्षेत्रों में ज्यादा घुसने देने से इनकार कर दिया था-ये दोनों क्षेत्र भारत में करोड़ों लोगों की आजीविका से जुड़े हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने आश्वासन दिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जो जनता को बेवकूफ बना सकता है, वह सर्वोत्तम नेता होता है'

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को नागपुर में सार्वजनिक तौर पर यह बात बिना किसी नेता का नाम लिये कही

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 सितंबर। केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को नागपुर में कहा कि जो सबसे अच्छा बेवकूफ़ बना सकता है, वही सबसे अच्छा नेता होता है।

- इस लय में उन्होंने आगे यह भी कहा, कि जिस क्षेत्र में वे काम करते हैं, वहां सच बोलना निषेध है।
- कुछ समय पूर्व, गडकरी ने इस बात की तारीफ की थी, कि सरकार के खिलाफ मुकदमा करना आवश्यक है, क्योंकि इससे प्रशासक में अनुशासन रहता है।

वे अखिल भारतीय महानुभाव परिषद द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस मौके पर उन्होंने लोगों से ईमानदारी और समर्पण के साथ जीवन जीने की अपील की। गडकरी ने कहा कि ईमानदारी और समर्पण से जीना चाहिए, शॉर्टकट लेकर नहीं। मंत्री के अनुसार, शॉर्टकट से जल्दी नतीजे मिल सकते हैं, लेकिन दीर्घकाल में विश्वास और विश्वसनीयता खो जाती है।

उन्होंने कहा, कुछ भी पाने के लिए एक शॉर्टकट होता है। इंसान शॉर्टकट से जल्दी पहुँच जाता है। अगर आप नियम तोड़कर सड़क पार करना चाहते हैं, तो हो सकता है कि लाल बत्ती हो और आप उसे पार कर लें। लेकिन शॉर्टकट का एक मतलब यह भी है कि शॉर्टकट लेने से इंसान लंबे समय तक टिक नहीं पाता। इसलिए हमें ईमानदारी, विश्वसनीयता, समर्पण और सत्य जैसे संस्कार दिए गए हैं। स्थायी सफलता सत्य की होती है। जैसा कि भगवान कृष्ण ने भगवद्गीता में कहा है, अंत में हमेशा सत्य की ही जीत होती है।

गडकरी ने हंसी-ठिठोली में कहा कि उनके काम के क्षेत्र में सच बोलना निषिद्ध है।

उन्होंने कहा, जिस क्षेत्र में मैं काम करता हूँ, वहाँ पूरे दिल से सच बोलना मना है। जो लोगों को सबसे अच्छा बेवकूफ़ बना सके, वही सबसे अच्छा नेता होता है।

केन्द्रीय मंत्री ने महानुभाव संप्रदाय के संस्थापक चक्रधर स्वामी की शिक्षाओं की भी सराहना की और कहा कि वे सभी के जीवन के लिये प्रेरणा हैं।

इस महीने की शुरुआत में गडकरी ने सार्वजनिक प्रशासन में अनुशासन बनाए रखने के लिए सरकार के खिलाफ अदालत में याचिकाएँ दाखिल करने की ज़रूरत पर जोर दिया था। उन्होंने कहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बांसवाड़ा में 16 साल की लड़की से गैंग रेप

उदयपुर, 1 सितम्बर (कासं)। बांसवाड़ा में 16 साल की लड़की से गैंगरेप का मामला सामने आया है। स्कूल से लौटते समय दो नाबालिग लड़कों ने लड़की को किडनैप किया, उसे एक मकान में ले गए और रेप किया।

रेप के बाद, एक लड़का पीड़िता को अपनी बुआ के घर ले गया, वहाँ भी उसको रेप किया। रेप के बाद लड़कों ने लड़की के प्राइवेट पार्ट में बोतल डाल दी और उसे सड़क पर फेंककर भाग गए।

- दो नाबालिगों ने स्कूल से लौटते समय किडनैप किया और रेप किया।

सड़क पर बदहवास पड़ी लड़की को देखकर एक राहगीर ने उसे हॉस्पिटल पहुंचाया। जानकारी मिलने पर पुलिस पहुंची और परिजनों को बुलाया। पीड़िता को गंभीर हालत में उदयपुर एमबी हॉस्पिटल रेफर किया गया।

पीड़िता के परिजनों ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि बेटी 20 अगस्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'उपराष्ट्रपति का चुनाव भाजपा की अपने सांसदों व सहयोगियों पर पकड़ की कसौटी है'

उच्चस्तरीय सूत्रों ने यह भी कहा, कि भाजपा संसदीय दल में भी नेतृत्व के प्रति असंतोष के संकेत दिख रहे हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 सितम्बर। भारत के अगले उपराष्ट्रपति पद के लिए 9 सितंबर को होने वाला चुनाव सत्तारूढ़ भाजपा और उसके सहयोगी दलों के बीच बेचैनी का कारण बन गया है। इस मुकाबले में भाजपा के उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन और सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी आमने-सामने हैं। यह चुनाव अब एक अप्रत्याशित राजनीतिक मोड़ ले चुका है, जिसके अन्तर्गत एनडीए की दरारें उजागर हो रही हैं और विपक्ष को नई ऊर्जा मिल रही है।

उच्चस्तरीय सूत्रों के अनुसार, भाजपा संसदीय दल के कुछ वर्गों में नेतृत्व को लेकर असंतोष के स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं। खबर है कि कई

- सूत्रों ने कहा, भाजपा को दोहरी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। एक ओर तो इसमें विपक्ष की बढ़ती एकता की चुनौती है तो दूसरी ओर आंतरिक असंतोष से भी डील करना है।
- उपराष्ट्रपति चुनाव में अपने प्रत्याशी की जीत के लिए भाजपा चन्द्रबाबू नायडू पर बहुत ज्यादा निर्भर है, पर ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि विपक्ष के प्रत्याशी जस्टिस सुदर्शन रेड्डी का नायडू व उनके सांसदों पर काफी प्रभाव है।
- भाजपा के प्रत्याशी राधाकृष्णन तमिनलाडु से हैं पर द्रमुक से उन्हें कोई समर्थन नहीं मिल रहा है। यही नहीं, भाजपा की सहयोगी पार्टी अन्नाद्रमुक के कुछ राज्यसभा सदस्यों ने तो विपक्ष के प्रत्याशी जस्टिस रेड्डी को समर्थन देने की बात कही है।

सांसदों में नाराज़गी है, जिससे निपटने के लिए पार्टी नेतृत्व ने तेज़ी से कदम उठाए हैं, ताकि इस महत्वपूर्ण मतदान से पहले संभावित बगावत को रोका जा सके। अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि यह स्थिति भाजपा के लिए ''दोहरी चुनौती'' बन गई है- एक ओर इस आंतरिक असंतोष को संभालना और दूसरी ओर विपक्ष की बढ़ती एकता का मुकाबला करना।

विपक्ष की ओर से न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी एक सर्वसम्मत चेहरा बनकर उभरे हैं। उनकी राजनीतिक रूप से निष्पक्ष होना और लंबा न्यायिक करियर उन्हें एक ऐसा उम्मीदवार बनाता है, जो ''गैर-पक्षपाती ढंग से काम करेगा।'' रेड्डी ने सभी दलों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अफगानिस्तान में भूकंप 800 मरे, 2800 घायल

नयी दिल्ली/काबुल, 01 सितंबर। पूर्वी अफ़ग़ानिस्तान में आज आधी रात को आए विनाशकारी भूकंप के कारण कम से कम 812 लोग मारे गए और 2800 घायल हुए हैं।

अफगानिस्तान में रिक्टर पैमाने पर 6.0 की तीव्रता वाला शक्तिशाली भूकंप स्थानीय समयानुसार रात

- पूर्वी अफगानिस्तान में रविवार रात 11.47 बजे 6.0 तीव्रता का भूकंप आया जिससे चार प्रांत प्रभावित हुए।

11.47 बजे पूर्वी अफगानिस्तान में आया, जिससे चार प्रांत प्रभावित हुए, जिसमें कुनार का पहाड़ी क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। भूकंप के कारण भूस्खलन और बाढ़ ने स्थिति को और जटिल बना दिया। कुनार प्रांत के नर्गल जिले (मजार दारा), चौके, वाटापुर, मनोगी, चापा दारा और आसपास के इलाकों में 800 लोग मारे गए। लघमन के अर्लीगर ज़िले में 58 और नूरिस्तान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत ही नहीं, वरन् कैनडा, फ्रांस व अन्य यूरोपीय देशों में अमेरिकी प्रोडक्ट्स के खिलाफ अभियान शुरु हो गया है

कैनडा में दुकानदारों ने अमेरिका में निर्मित प्रोडक्ट्स को अपने ''काउन्टर्स'' पर ''डिसप्ले'' करना बंद कर दिया है

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 1 सितम्बर। जब महात्मा गांधी ने सौ साल पहले भारतीयों से ब्रिटिश वस्त्रों के बहिष्कार का आ ान किया था, तो यह ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ एक नैतिक प्रहार था। आज, डॉनल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ उस भावना को एक नए रूप में फिर से जगा सकते हैं। पूरे भारत में स्वदेशी 2.0 की फुसफुसाहट अब ज़ोर पकड़ने लगी है- जहाँ अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को नकारना आर्थिक दबाव के खिलाफ प्रतिरोध का प्रतीक बन रहा है।

- एक सर्वे के अनुसार, 80 प्रतिशत कैनडा निवासियों ने अब अमेरिकी प्रोडक्ट्स को खरीदना बंद कर दिया है या बंद करने की सोच रहे हैं। कैनडा से अमेरिका जाने वाले पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट हुई है। फ्रांस के 60 प्रतिशत निवासियों ने अमेरिकन ब्राण्ड्स को खरीदना बंद कर दिया है, उदाहरण के लिये, टैस्ला कारों की बिक्री में चालीस प्रतिशत गिरावट आई है, यूरोप में, तथा मैक्डॉनल्ड पेप्सी, कोकाकोला तथा केएफसी की बिक्री में काफी गिरावट आई है।
- भारत में बाबा रामदेव व आप पार्टी कई राजनीतिज्ञों ने जैसे नेता अशोक कुमार मित्तल ने, अमेरिकी उत्पादकों का ''बायकॉट'' करने का नारा दिया है।
- पर, भारत की स्थिति कुछ भिन्न भी है, क्योंकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर भी है, अतः अमेरिकी उत्पादनों के बायकॉट की खुली सार्वजनिक अपील से भारत को काफी बड़ा आर्थिक नुकसान भी हो सकता है, अतः भारत में अमेरिका के प्रोडक्ट्स के नारे को परिवर्तित करने, भारत को आत्म निर्भर करने का नारा दिया जा रहा है।

ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ रोष तेजी से उपभोक्ता क्षेत्र में फैल गया है। योग गुरु रामदेव ने खुलकर भारतीयों से पेप्सी, कोका-कोला, सबवे, केएफसी और मैकडॉनल्ड्स जैसे अमेरिकी ब्रैंड्स का बहिष्कार करने की अपील की है, और कहा है कि अगर भारत के 1.5 अरब लोग इन उत्पादों की खरीद बंद कर दें तो अमेरिका में अफरा-तफरी मच जाएगी।

राजनीतिज्ञों ने भी इस मुद्दे को उठाया है। आम आदमी पार्टी के सांसद अशोक कुमार मित्तल ने 1905 के स्वदेशी आंदोलन से तुलना करते हुए सुझाव दिया है कि आधुनिक भारत राष्ट्रीय भावना को उपभोक्ता विकल्पों में बदलकर अमेरिकी कंपनियों को कमजोर कर सकता है। यहाँ तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी स्वदेशी पुनर्जागरण का सुर छेड़ा है, लोगों से हमारे लोगों के पसीने से बने उत्पाद खरीदने की अपील की है और ट्रंप के टैरिफ के जवाब में वोकल फॉर लोकल मंत्र को दोहराया है।

भारत में यह उभरती जनभावना वैश्विक स्तर पर चल रहे अमेरिकी उत्पादों के बहिष्कार की लहर का हिस्सा है। सन् 2025 में कैनडा में व्यापारिक और राजनीतिक तनाव के बीच अमेरिका विरोधी अभियान छिड़ा। कई प्रांतों ने अमेरिकी उत्पादों को दुकानों से हटा दिया, अमेरिका की ओर पर्यटन में भारी गिरावट आई, और उपभोक्ता सर्वेक्षणों में कैनडा के 80 प्रतिशत से अधिक नागरिकों ने अमेरिकी उत्पादों को बदलने की बात कही। फ्रांस और यूरोप के अन्य हिस्सों में जमीनी स्तर पर नेटवर्क सक्रिय हुए और सर्वे दिखाते हैं कि 60 प्रतिशत फ्रांसीसी उपभोक्ता अमेरिकी ब्रैंड्स का बहिष्कार करने का समर्थन करते हैं। टेस्ला की बिक्री यूरोप में 40 प्रतिशत से अधिक गिर गई, जबकि मैकडॉनल्ड्स और कोका-कोला की बिक्री उत्तरी बाजारों में कमज़ोर रही। यहां तक कि एक्टिविस्ट गुटस ने ऐसे ऐप्स भी बनाए हैं जो छिपे हुए अमेरिकी स्वामित्व वाले ब्रैंड्स की पहचान में मदद करते हैं इससे स्पष्ट है कि अमेरिका-विरोधी भावना अब जीवनशैली में भी झलक रही है।

हालांकि भारत की स्थिति अधिक जटिल है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और निवेश, रक्षा सहयोग और तकनीक का महत्वपूर्ण स्त्रोत भी। एक पूर्ण बहिष्कार भारतीय नौकरियों, निर्यातकों और उपभोक्ताओं को उतना ही नुकसान पहुंचा सकता है जितना कि अमेरिकी कंपनियों को। चीनी आयातों की तरह नहीं, जिनके स्थानीय विकल्प मौजूद हैं, अमेरिकी उत्पाद-जैसे ऐप्पल के आईफोन, गूगल की सेवाएँ, या एमेज़ॉन का रिटेल इकोसिस्टम-भारत के महत्वाकांक्षी मध्यम वर्ग में गहराई से समाए हुए हैं। एक व्यापक बहिष्कार स्वयं को भी नुकसान पहुंचा सकता है।

इसीलिए नई दिल्ली ने एक संतुलन बनाया है जिसे हम ''बॉयकॉट-लाइट''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत ने अफगानिस्तान में एक हज़ार तंबू और 15 टन खाद्य सामग्री भेजी

नयी दिल्ली, 01 सितम्बर। भारत ने अफगानिस्तान में भूकंप से हुई भारी तबाही के बाद मदद का हाथ बढ ाते हुए तत्काल सहायता के तौर पर वहां एक हजार तंबू तथा 15 टन खाद्य सामग्री भेजी है। विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने अफ़ग़ानिस्तान के विदेश मंत्री मौलवी

- प्रधानमंत्री मोदी ने अफगानिस्तान में आए भयंकर भूकंप पर दुःख जताया और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

अमीर ख़ान मुत्तक़ी से बात कर भूकंप के कारण हुई जान-माल की हानि पर संवेदना व्यक्त की और कहा कि इस कठिन समय में भारत अफगानिस्तान के साथ है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)